• कविताएं...

आई कुलफी

अम्मा अपने बटुये में से,
कुछ तो नोट निकालो।
बाहर बिकने आई कुल्फी,
चार पांच मंगवालो।
पापा के तो दांत नहीं हैं,
तू भी न खा पाती।
तीन चार तो मैं खा लूंगा,
एक खायेगी चाची।
अम्मा बोलीं राजा बेटा,
बटुआ तो है खाली।
जरा देर पहले पापा ने,
कुल्फी चार मंगाली।
दो तो पापा ने खाली हैं,
मैंने भी दो खाई।
तुझे हुई है सरदी बेटा,
तुझको नहीं दिलाई।

■ प्रभुदयाल श्रीवास्तव

आंख–मिचौली

आंख-मिचौली खेलें मम्मी
रुको जरा, छिप जाऊं मम्मी!
बनो चोर तुम, मैं छिप जाऊं
तुम ढूंढ़ो मैं हाथ ना आऊं
हार मानकर जब तुम बैठो,
तभी अचानक मैं आ जाऊं!
गोदी में तेरी आकर मैं,
खिल-खिल हंसूं-हंसाऊं मम्मी!
मम्मी फिर मैं चोर बनूंगा,
छिपना आप पलंग के नीचे,
पकडूं जब मैं पीछे-पीछे।
खेल-कूद करके यूं ही मैं,
तुमको भी बहलाऊं मम्मी!

■ प्रतिमा पांडेय

• चुटकुले...

पत्नी– कितनी देर से आपसे पूछ रहा हूं कि तुम्हारे लिए जीवन में सबसे बड़ी मुसीबत क्या है? और तुम पता नहीं क्यों मुझे ही घूर रही हो।
अरे! कुछ बोलो तो सही।

एक पति ने अपनी पत्नी को दिल की बात बताई...
कहा – तुमसे शादी करके मुझे एक फायदा हुआ है
पत्नी – कौन सा फायदा?
पति – मुझे मेरे गुनाहों की सजा इसी जन्म में मिल गई...

विट्टू– फोन में हीटिंग प्रॉब्लम आ रही है। बहुत गर्म हो रहा है।
दुकानदार– इसमें हमारी कोई गलती नहीं है,
भगवान ने आपकी मम्मी की दुआ कबूल कर ली है, 'आग लगे इस फोन को।'

• जानकारी...

थर्मामीटर से कैसे क्रैश हो जाता है पूरा हवाई जहाज

आमतौर पर अगर हमें दूर की यात्रा करनी होती है और हम सक्षम हैं तो हम कोशिश करते हैं कि प्लेन से सफर करें। प्लेन से सफर करने से हमारी यात्रा सुगम हो जाती है और कम समय में ज्यादा दूरी का सफर तय किया जा सकता है। इस दौरान सीमित मात्रा में सामान ले जा सकते हैं और बहुत सारी वस्तुएं प्लेन के अंदर ले जाना बैन है। इनको आप किसी भी कीमत में नहीं लेकर जा सकते हैं। बैन वस्तुओं में से एक थर्मामीटर भी है। अब आप सोच रहे होंगे कि इतनी छोटी सी चीज क्यों नहीं ले जा सकते। भले ही ये छोटी सी चीज है, लेकिन क्या आपको पता है कि इससे प्लेन क्रैश तक हो सकता है. आइए विस्तार से बताते हैं।

अगर आप भी हवाई जहाज से यात्रा करने जा रहे हैं और आपके साथ कोई बीमार शख्स है तो जरा संभलकर। अगर आप मरीज को चेक करने के लिए अपने साथ थर्मामीटर रख रहे हैं तो ये जान लीजिए कि आपको प्लेन में चढ़ने की इजाजत नहीं मिलेगी। क्योंकि प्लेन में थर्मामीटर ले जाना बैन है। थर्मामीटर दो तरह का होता है एक पारा वाला और दूसरा डिजिटल। पारे वाला थर्मामीटर हवाई जहाज में नहीं ले जा सकते हैं, लेकिन डिजिटल वाला अलाउड है।

प्लेन में थर्मामीटर न ले जाने का बड़ा कारण है मरकरी यानि पारा। असल में पारा को एल्युमीनियम का दुश्मन माना जाता है। पारे की वजह से एल्युमीनियम को भारी नुकसान हो सकता है। हवाई जहाज को बनाने में सबसे ज्यादा एल्युमीनियम का इस्तेमाल होता है। इसलिए पारा या पारे से जुड़ी कोई भी चीज को प्लेन में ले जाना बैन है। कहा जाता है कि अगर ये थर्मामीटर ऊपर जाकर प्लेन में टूट गया तो हवाई जहाज क्रैश तक हो सकता है। इसीलिए न तो चेक इन बैगेज में और न ही कैरी-ऑन बैगेज में इसे ले जाना अलाउड है।

कोरोना के दौरान हमने ऐसी कई मशीनें देखी हैं, जिनमें पारा नहीं होता है और उनको बॉडी के सामने ले जाकर स्कैन करके टैम्प्रेचर चेक किया जा सकता है। इसके अलावा डिजिटल थर्मामीटर ले जा सकते हैं। लेकिन अगर कोई शख्स नियम नहीं मानता है और थर्मामीटर ले जाने की कोशिश करता है तो उसपर कड़ी कार्रवाई हो सकती है। उसे जेल हो सकती है, साथ ही भविष्य में हवाई यात्रा के लिए उस शख्स पर रोक लगाई जा सकती है।

• गोनू झा

शुद्ध मिठाई का भोज

गोनू झा अपनी माँ से बहुत प्यार करते थे। उनकी माँ बहुत वृद्ध हो चुकी थीं। एक दिन उनकी माँ बीमार पड़ीं। वैद्य आए।

उन्हें देखा। दवा दी। मगर उनकी माँ की हालत में सुधार नहीं हुआ। गोनू झा चिन्तित थे। उन्होंने वैद्य से माँ की बीमारी के बारे में पूछा तो वैद्य जी ने कहा- 'सबसे बड़ी बीमारी तो बुढ़ापा की जीर्ण-शीर्ण काया है पंडित जी। इसका इलाज तो महर्षि च्यवन के पास भी नहीं था। अब जी भरकर माँ की सेवा कीजिए और उनका गोदान भी करा ही लीजिए। यह समझिए कि चल-चलंती की बेला है। मैं तो दवा इसलिए दे रहा हूँ कि जब तक साँस, तब तक आस । बाकी सब ऊपरवाले के हाथ में हैं।'

गोनू झा समझ गए कि उनकी माँ अब बचने वाली नहीं हैं । वे मन लगाकर अपनी माँ की सेवा करते रहे और एक दिन उनकी माँ की मौत हो गई । अपनी माँ की मौत पर फूट फूटकर रोए गोनू झा! गाँव वालों ने उन्हें समझाया- 'सबकी माँ मरती है। इस तरह मन छोटा करने से नहीं चलेगा। उन्हें अब माँ के अन्तिम संस्कार और क्रियाकर्म की तैयारी में लगना चाहिए। यही दुनियादारी है।'

गोनू झा शान्त हुए। गाँव वालों ने उनका साथ दिया और उनकी माँ की अंत्येष्टि सम्पन्न हुई।

अभी उनकी माँ की चिता ठंडी भी नहीं हो पाई थी कि गाँव वालों ने गोनू झा को घेरकर समझाना शुरू किया कि उन्हें अभी से माँ के क्रियाकर्म और श्राद्ध के लिए तैयारी शुरू कर देनी चाहिए।

पहले तो गोनू झा शान्त रहकर ग्रामीणों की बात सुनते रहे फिर उन्होंने ग्रामीणों से कहा- 'आप लोग ठीक ही कह रहे हैं मगर मैं ठहरा गरीब ब्राह्मण। कोई बड़ा इन्तजाम तो मैं कर नहीं पाऊँगा माँ के श्राद्ध पर पाँच ब्राह्मणों को भोजन करवाने से काम चल जाएगा?'

उनकी बात सुनकर एक वृद्ध ग्रामीण बोल पड़ा- 'ब्राह्मण होकर क्यों चंडालों की तरह बात कर रहे हो गोनू? तुम्हारी माँ गाँव की सबसे वृद्ध महिला थीं। उनका सरोकार इस गाँव से तो क्या, आस-पास के सभी गाँवों से था। उनके श्राद्ध पर तो तुम्हें पच्चीस गाँव के लोगों को बड़ा भोज देना चाहिए- शुद्ध मिठाइयों का भोज, समझे।'

गोनू झा ने पूछा- 'शुद्ध मिठाइयों का भोज?'

-जारी

गोनू झा समझ गए कि उनकी माँ अब बचने वाली नहीं हैं । वे मन लगाकर अपनी माँ की सेवा करते रहे और एक दिन उनकी माँ की मौत हो गई । अपनी माँ की मौत पर फूट फूटकर रोए गोनू झा! गाँव वालों ने उन्हें समझाया– 'सबकी माँ मरती है। इस तरह मन छोटा करने से नहीं चलेगा।

उन्हें अब माँ के अन्तिम संस्कार और क्रियाकर्म की तैयारी में लगना चाहिए। यही दुनियादारी है।' गोनू झा शान्त हुए। गाँव वालों ने उनका साथ दिया और उनकी माँ की अंत्येष्टि सम्पन्न हुई...

• रोचक...

हमिंग बर्ड

हमिंग बर्ड दिखने में सुंदर होते हैं, लेकिन इनकी उड़ान काफी तेज रफ्तार की होती है। हमिंग बर्ड एक सेकेंड में 80 बार पंख फड़फड़ा सकते हैं। इतना ही नहीं उड़ान के समय इतनी है की गति 1260 बीट प्रति मिनट तक पहुंच जाती है। बता दें कि हमिंग बर्ड दुनिया की सबसे छोटी पक्षियों में एक है। जिनकी लंबाई 7.5 से 13 सेमी तक होती है। वहीं इनका वजन 4–8 ग्राम होता है। हमिंग बर्ड 60 से 80 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से उड़ान भर सकती है। इस पक्षी की सबसे बड़ी खासियत ये है कि सीधा उड़ान भरने के साथ ये उल्टा उड़ान भी भर सकती है। बाकी पक्षियों में ये खासियत नहीं दिखती है। इसके अलावा कहा जाता है कि ये पक्षी दिनभर में करीब 1 हजार फूलों का रस पी लेती है। वहीं ये पेड़ों की टहनियों पर लटके हुए सो सकती है।

• जिरकॉन क्रिस्टल...

वैज्ञानिकों को अभी हाल ही में एक नीली चमक वाला जिरकॉन क्रिस्टल मिला है, जो करीब 4.4 अरब साल पुराना बताया जाता है। अब आप इसको ऐसे समझिए कि पृथ्वी ही 4.54 अरब साल पुरानी है। यह क्रिस्टल पृथ्वी पर खोजा गया सबसे पुराना सामान है। इसे पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया की एक चट्टान में खोजा गया था, जिसे जैक हिल्स नाम से पुकारा जाता है। इसको खोजने के बाद वैज्ञानिकों इस पत्थर को लेकर रिसर्च किया था। जिसमें खुलासा हुआ कि यह लगभग 4.39 साल पुराना है। जिरकॉन क्रिस्टल असल में जिरकॉनियन सिलिकेट के क्रिस्टल होते हैं, जो नीले रंग की चमक निकालते हैं।